मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.11. 2024

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 60 अंक 11 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
नवम्बर 2024 बहाई वर्ष : 181

विश्व न्याय मन्दिर

बहाउल्लाह के प्रकटीकरण द्वारा मन में बैठाया गया आचरण का उच्च स्तर किसी समझौते को स्वीकार नहीं कर सकता; इसे कदापि गिराया नहीं जा सकता और सभी को इसकी उत्कृष्ट ऊँचाइयों पर अपनी दृष्टि केन्द्रित करनी चाहिये। दूसरी ओर यह स्वीकार किया जाना चाहिये कि मनुष्य होने के नाते हम पूर्णता से बहुत दूर हैं; सभी से जो अपेक्षित है वह है सच्चा दैनिक प्रयास। दम्भ से दूर रहने की आवश्यकता है।

—28 दिसम्बर, 2010

मध्य प्रदेश में चल रही गतिविधियाँ

• इन्दौर समुदाय के बहाई मित्रों के लिए बहाई भवन में, विश्व न्याय मन्दिर से प्राप्त रिज़वान 2024 के संदेश का गहन अध्ययन करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सहायक मण्डल सदस्य ने प्रपत्र में दी गईं महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझने में मित्रों का सहयोग किया। मित्रों ने प्रपत्र से प्राप्त सीख के अनुसार अपने समुदाय की समीक्षा की। साथ ही, समुदाय विकास प्रक्रिया में स्थानीय सभा और अन्य बहाई मित्र किस प्रकार से अपना सहयोग प्रदान कर सकते है इसके लिए गहन परामर्श किया।

• बानमोर समुदाय के बड़ापुरा गांव के युवाओं के लिए एक दिन का युवा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें केवल बड़ापुरा गांव से लगभग 35 युवा शामिल हुए। अध्ययन सामग्री में "युवा दुनिया बदल सकते हैं" पुस्तक के कुछ गद्यांशों का गहन अध्ययन किया गया। अध्ययन किए गए बिन्दुओं के आधार पर अपने गांव की वास्तविकता को जानने का प्रयास किया। सम्मेलन के लिए स्थानीय मित्रों की टीम ने लगभग 10 दिन पहले से तैयारी शुरू कर दी थी, जिसमें मित्रों की लगातार बैठकें और बडापुरा गांव में लगातार कई भ्रमण किए गए। भ्रमण के दौरान युवाओं के पंजीकरण फॉर्म भरे गए, जिसमें सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बीस रुपये पंजीकरण शुल्क के रूप में युवाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही युवाओं को रूही संस्थान प्रकिया में भाग लेने और समुदाय में वह किस प्रकार बेहतर योगदान कर सकते हैं के बारे में समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

• उत्तर प्रदेश के पायनियर जो मध्यप्रदेश के छत्तरपुर जिले में लौंदी तहसील में आने वाले लवकुशनगर समुदाय में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं वे लवकुशनगर के थुराटी गांव में गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने सबसे पहले 17 स्थानीय युवा मित्रों के साथ रूही संस्थान की पहली पुस्तक 'दिव्य जीवन एक चिन्तन' का अध्ययन पूर्ण किया। अध्ययन के दौरान ही उन्होंने प्रतिभागियों के घरों में

शेष पृष्ठ 4 पर



इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

इस अंक में

• मध्य प्रदेश में चल रही गतिविधियाँ 1
• बिहार में किशोर कार्यक्रम का आयोजन .. 2
• ओडिशा में एकता सम्मेलन का आयोजन . 2
• झारखण्ड में पीएसए सेमिनार का आयोजन 2
• सितम्बर 2024 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े 3
• दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश द्वारा बहाई उपासना गृह में विशेष व्याख्यान 4
• उत्तर प्रदेश में तीन दिवसीय किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम 4
• सूचना 4

बिहार में किशोर कार्यक्रम का आयोजन

बिहार के अलौली सबरीजन के सौरबाजार क्लस्टर में पिछले चक्र में किशोर कार्यक्रम स्थापित किया गया था, जिसकी पहली पुस्तक 'संपुष्टि की सुरभि' का अध्ययन अवधारणाओं की समझ के साथ किशोर समूह ने सम्पन्न किया।

इस विशेष उपलब्धि को विशेष बनाने के लिए तथा कैसे कार्यक्रम समुदाय के स्तर पर मजबूत हो और वहाँ के अभिभावक इस कार्यक्रम को समझें तथा इसकी मजबूती में अपना योगदान दें इसके लिए किशोर और उनके अनुप्रेरक एक विशेष उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए। इस बैठक का उद्देश्य था कि जो पुस्तक किशोरों ने समाप्त की है और जो पुस्तक शुरू करेंगे उससे परिचित करवाना, जिससे कि कार्यक्रम और मजबूती से चल सके।



किशोर पुस्तक का अध्ययन करने वाले किशोर

उत्सव की शुरुआत किशोरों द्वारा की गईं दो प्रार्थनाओं से हुई। इसके पश्चात् उपस्थित दोनों अनुप्रेरकों ने किशोर कार्यक्रम के उद्देश्य और किशोरों में हो रहे बदलाव के बारे में उपस्थित अभिभावक के साथ विचार को साझा किया। फिर एक गीत को सुनने के लिए एक किशोरी को आमंत्रित किया गया, जो उन्होंने अपने समूह में सीखा था। इसी तरह फिर एक किशोर आता है जो कुछ उद्धरण अभिभावकों को सुनता है, जैसे–जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ रहा था, उपस्थित अभिभावकों में उत्साह बढ़ाता जा रहा था। फिर बारी–बारी से कुछ किशोरों ने अपनी–अपनी सीख साझा की। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक की अवधारणा किशोरों के जीवन में कैसे बदलाव ला रही है तथा कैसे एक–दूसरे के साथ विचार को आपस में बांटना सीख रहे हैं, यह देखा गया। साथ ही, कैसे उनकी भाषा मजबूत हो रही है। किशोर संतुष्टि की अवधारणा से अवगत हो रहे हैं।

इसी तरह से कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए, अनुप्रेरक कुछ अभिभावक को अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करते हैं, ताकि किशोर और अधिक प्रोत्साहित हो सकें। उपस्थित अभिभावकों ने भी बहुत अच्छी तरह से कार्यक्रम की सराहना की और हमेशा मदद के लिए आश्वासन दिया।

पुनः अनुप्रेरक फिर से खड़े होते हैं और नई पुस्तक आनंद के स्रोत जिस नई अवधारणा के साथ किशोर जुड़ेंगे, इससे उपस्थित मित्रों को परिचित करवाया गया। अब इस पुस्तक का अध्ययन किया जाएगा और समूह इसी तरह सीखने के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा।

इसी के साथ अनुप्रेरकों ने सभी किशोरों को एक खेल खेलने के लिए आमंत्रित किया।

ओडिशा में एकता सम्मेलन का आयोजन

ओडिशा में आयोजित एकता सम्मेलन ने ओडिशा के बहाई इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित किया। पहली बार, वरिष्ठ बहाई और युवा पीढ़ी एकता, समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के सामूहिक प्रयास में एक साथ आए। इस सभा का उद्देश्य एक नई भावना को बढ़ावा देना और बहाई समुदाय के बंधनों को मजबूत करना था। राज्य भर के 15 से अधिक समूहों से लगभग 71 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में न केवल सेवा करना जारी रखा, दृढ़ता और समर्पण का एक प्रेरक उदाहरण पेश किया।

समूह के आधार पर मित्रों को अलग–अलग कार्य योजनाओं के माध्यम से अपने हृदयों में शिक्षण के आनंद को फिर से जगाने की योजना भी बनाई। उनकी योजनाओं से जो कार्य सामने आए, उनमें समुदाय स्तर और क्लस्टर स्तर पर पारिवारिक सम्मेलन आयोजित करना, समुदाय स्तर पर भक्ति सभाओं को मजबूत बनाने में



ओडिशा में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले मित्रगण

अनुभवी बहाई शामिल थे, बल्कि कुछ समन्वयक भी थे, जिनकी भागीदारी ने एक मूल्यवान आयाम जोड़ा।

इस सम्मेलन ने एक उच्च भावना को बढ़ावा दिया और नौ वर्षीय योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई, इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न तरीकों से कैसे योगदान दे सकता है। यह शोगी एफेंदी द्वारा शुरू किए गए दस वर्षीय धर्मयुद्ध से जुड़ने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में भी काम करता है। इसने परिषद और व्यक्तिगत अनुयायियों के बीच संबंधों को मजबूत करने में भी मदद की, जिससे एकता और सहयोग की भावना गहरी हुई।

एक दिवसीय सम्मेलन के दौरान, 30 दिसंबर, 2021 के संदेश की अवधारणाओं को साझा किया गया, रिज़्वान 2024 के संदेश और विश्व न्याय मंदिर के 29 अगस्त, 2010 के संदेश का अध्ययन किया, जिसने उन कठिन परिस्थितियों की याद दिला दी, जिनका सामना अब्दुल–बहा ने वर्षों पहले किया था, जब वे पश्चिम की यात्रा पर गए थे। अपने खराब स्वास्थ्य के बावजूद, उन्होंने शिक्षा देना और सहायता करना, गृह भ्रमण करना, परिवारों के समूह के स्तर पर काम करना, पुराने समुदायों को मजबूत करना और इसे एक उपयोगी क्लस्टर बनाना, स्थानीय आध्यात्मिक सभा को उनके कामकाज में सहायता करना जैसे कि उन्नीस दिवसीय सहभोज को मजबूत करना, अपने समुदायों में पवित्र दिवस समारोह मनाना, शिक्षण दल बनाना क्योंकि शिक्षण उस समय वरिष्ठ बहाई द्वारा दी जाने वाली सबसे प्रिय सेवा थी। इसके अलावा कुछ क्लस्टरों ने नए क्लस्टर और जिले खोलने की भी योजना बनाई। उन्होंने अपने समुदायों, क्लस्टरों, पड़ोसी क्लस्टरों और पड़ोसी जिलों में गृह भ्रमण करने पर चर्चा की।

सम्मेलन के बाद, सलाहकार, सहायक मण्डल सदस्यों, प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के सदस्यों और परिषद के सदस्यों के साथ एक संयुक्त बैठक की गई, जहाँ वरिष्ठ बहाईयों के लिए अलग–अलग सम्मेलन आयोजित करने, समुदाय स्तर और क्लस्टर स्तर पर पारिवारिक सम्मेलन जैसे बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

झारखण्ड में पीएसए सेमिनार का आयोजन

जमशेदपुर बहाई केंद्र में छः दिवसीय 13 से 18 अक्टूबर 2024 तक पीएसए यानि सामाजिक क्रिया की तैयारी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में राज्य के लगभग 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभगिता की, जो राज्य के 5 सबसे उन्नत क्लस्टरों से थे। इस सेमिनार में पुस्तक संख्या दो "वर्गीकरण" का अध्ययन किया गया, जो गणित के क्षेत्र से संबंधित है। इस पुस्तक के सह शिक्षक वाले पदपों के बारे में जाना। हमने अपने अभ्यासों के दौरान अपने सूक्ष्म क्षेत्र के अंतर्गत पाये जाने वाले जानवरो तथा फसलों अथवा पेड़ पौधों की सूची बनाकर उन्हें जाति, वंश, कुल, गण, वर्ग, संघ, जगत, डोमैन में वर्गीकृत करने का अभ्यास किया। और हमने इस पुस्तक में मलेरिया के बारे में भी जाना की मलेरिया क्या है, अभी वह कितने देशों में फैला है, कितनी आबादी इससे ग्रसित है, इससे



पीएसए सेमिनार में भाग लेने वाले मित्रगण

उत्तर प्रदेश से थे। इस पुस्तक में प्रतिभागियों ने समुच्चय और उप–समुच्चय की अवधारणा को और स्पष्टता से जाना की समुच्चय एक वृहत क्षेत्र होता है और उसके अंदर सूक्ष्म क्षेत्र उसका उप–समुच्चय कहलाता है, जो उसी समुच्चय से संबंधित होता है। इसके बाद जाति, वंश, कुल, गण, वर्ग, संघ, जगत डोमैन के बारे में जाना। इस संबंध में यह सीख गया कि पृथ्वी पर सभी जीवों की असंख्य जातियाँ पायी जाती हैं जिसे कई वर्षों के अथक प्रयासों से जीवों की जातियों का उप–समुच्चय और समुच्चय में वर्गीकृत किया गया। सभी जीवों अथवा पदपों को उनके कुछ समान लक्षणों अथवा विशेषताओं के आधार पर एक से दूसरे समुच्चयों में वर्गीकृत किया जाता रहा जैसे जाति से वंश, वंश से कुल, कुल से वर्ग, वर्ग से संघ, संघ से जगत और जगत से अंत में डोमैन। डोमैन अभी वर्तमान में अंतिम वर्गीकरण की श्रेणी है जिसमें सभी जीव जंतुओं की सभी जातियाँ शामिल हैं। साथ ही, इसमें हमने एक कोशिकीय जीव, बहुकोशिकीय जीव, कशेरुकी, अकशेरुकी, गर्म खून तथा ठंडे खून वाले जीव जंतुओं, स्थल चर, सरीसृप जैसे कई अवधारणाओं को पुनः गहराई से जाना गया। इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे भी जीव हैं जिन्हें अलग रखा गया है वो है पादप जगत इसमें हमने एकल बीज तथा द्विबीज बचाव के उपाय, तथा यह कैसे फैलता है, इसके लक्षणों और इसके शुरुआत से अंत तक की प्रक्रिया को जीवन चक्र के माध्यम से समझा गया। वास्तव में यह जानने के बाद की मलेरिया कितना जानलेवा है इसके बचाव के उपाय उपयोग में अवश्य लाये जाने चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को जागरूक और सतर्क करना चाहिए। हमने इसमें पृथ्वी पर जीवन के काल चक्रों को जाना की आज से लगभग चार करोड़ वर्ष पूर्व एक रासायनिक अभिक्रिया से एक कोशिकीय जीवों का निर्माण हुआ जो आगे चलकर बहुकोशिकीय जीवों में परिवर्तित हुए। इसके बाद वर्षों की प्रक्रियाओं के दौरान पृथ्वी पर विभिन्न प्रकार के जीवों की उत्पत्ति हुई जो आगे चलकर जलीय, स्थलीय, नभचर, सरीसृप जैसे जीवों में परिवर्तित हुए मानव प्राणी इस सम्पूर्ण घटनाओं का अंतिम परिणाम है। इस पुस्तक अनुच्छेदों को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जाने की मानव एक है उसकी कोई जाति कुल वंश वर्ग संघ नहीं होती हमने उसे अपने लाभ के उद्देश्य से धर्मों, जातियों में विभाजित किया हुआ है। हमारे पास एक आत्मा है जिसका गुण है आध्यात्मिक गुणों को प्रदर्शित करना और आस्था की चेतना को प्राप्त करना। इस प्रकार इस पुस्तक की सहायता से कई और महत्वपूर्ण विषयों के संदर्भ में जाना और समझा गया।

सितम्बर 2024 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	522	1,947	45	274	30	243	11	47	608	2,511
असम+	2,190	6,682	104	720	56	320	34	166	2,384	7,888
बिहार	20,686	1,28,930	2,267	18,949	1,755	14,574	693	5,456	25,401	1,67,909
छत्तीसगढ़	344	2,173	15	96	18	114	3	20	380	2,403
गुजरात	663	2,552	38	370	23	180	10	57	734	3,159
झारखण्ड	5,228	27,218	295	2,206	220	1,417	108	775	5,851	31,616
कर्नाटक	116	497	24	210	10	103	12	50	162	860
केरल	138	519	10	90	13	71	9	45	170	725
मध्य प्रदेश	834	5,911	97	1,164	91	847	38	349	1,060	8,271
महाराष्ट्र+	10,663	43,702	1,126	11,274	843	8,002	116	871	12,748	63,849
मणिपुर+	518	1,806	23	204	17	130	17	89	575	2,229
ओडिशा	3,477	13,585	221	1,471	123	714	54	226	3,875	15,996
पंजाब+	1,855	9,545	128	1,013	104	866	41	272	2,128	11,696
राजस्थान	2,421	20,836	274	2,477	184	1,307	63	370	2,942	24,990
सिक्किम+	1,126	3,415	118	818	65	595	18	73	1,327	4,901
तमिलनाडु+	13,215	49,145	626	4,865	496	3,245	495	2,528	14,832	59,783
त्रिपुरा	4,474	21,370	217	1,411	127	691	175	562	4,993	24,034
उत्तर प्रदेश+	1,10,562	7,08,448	5,502	38,584	3,817	24,966	1,819	14,759	1,21,700	7,86,757
पश्चिम बंगाल	38,417	2,01,616	3,689	26,346	2,632	16,842	1,468	10,055	46,206	2,54,859
कुल	2,17,449	12,49,897	14,819	1,12,542	10,624	75,227	5,184	36,770	2,48,076	14,74,436

(Data of Karnataka are as of June 2024)

दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश द्वारा बहाई उपासना गृह में विशेष व्याख्यान

ह्यूमन राइट्स डिफेंस इंटरनेशनल के सहयोग से, भारत के बहाईयों के जनसंपर्क कार्यालय ने 4 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन द्वारा ''कानून, समाज और सामाजिक चेतना'' पर व्याख्यान आयोजित किया। भारत के अटॉर्नी जनरल श्री आर. वेंकटरमणी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। इस कार्यक्रम में भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, अधिवक्ता, कानून के विद्यार्थी और नागरिक समाज के सदस्यों सहित लगभग 100 अतिथि शामिल हुए। भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा की महासचिव ने उद्घाटन भाषण दिया और भारत में बहाई धर्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि साझा की।






बहाई उपासना गृह में आयोजित कार्यक्रम की झलक

अपने संबोधन में, माननीय मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने कानून की व्याख्या करने से परे न्यायपालिका की भूमिका पर जोर दिया, लेकिन यह सुनिश्चित करने के साधन के रूप में कि यह समाज की उभरती जरूरतों के अनुरूप हो। उन्होंने विस्तार से बताया कि संविधान एक ''जीवित दस्तावेज'' है जो न्यायाधीशों को समकालीन मुद्दों के लिए इसके प्रावधानों को अनुकूलित करने के लिए लचीलापन देता है और व्याख्याकर्ता की सामाजिक चेतना के आधार पर व्याख्या के लिए खुला है। उन्होंने कहा, ''यह केवल कानून का पत्र नहीं है जिससे आप निपट रहे हैं। आपको इसमें जीवन भरना होगा।'' व्याख्यान का समापन बहाई उपासना गृह में सर्वधर्म प्रार्थनाओं के साथ हुआ। अतिथि विभिन्न पवित्र शास्त्रों के पाठों से बहुत प्रभावित हुए, कुछ लोग इस अनुभव से इतने मोहित हो गए कि वे शांतिपूर्ण माहौल और रोशनी से जगमगाते मंदिर के सुंदर दृश्य की सराहना करते हुए देर तक रुके रहे।



बहाई भवन लखनऊ में तीन दिवसीय पायनियर बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व न्याय मंदिर के संदेश 23 मई, 2016 के प्रपत्र और रिज़्वान 2021 तथा दिव्य योजना की पाती से कुछ अंशों का अध्ययन किया गया। सेवारत पायनियरों ने अपने अनुभवों तथा चुनौतियों को एक दूसरे के साथ साझा किया। आगामी मार्च 2025 तक समुदाय में और नए गांव खोलने तथा चल रही गतिविधियों में और गुणवत्ता लाने की योजना भी बनाई।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

उत्तर प्रदेश में तीन दिवसीय किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश में सरोजनी नगर (बंथरा) बहाई भवन में 17 सितंबर से 19 सितंबर, 2024 तक तीन दिवसीय किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

इस तीन दिवसीय किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम



बंथरा बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

की समीक्षा बैठक में अलग–अलग सबरीजन से आए हुए सभी मित्रों ने अपने–अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही, इस बात पर परामर्श हुआ कि कैसे हम एक किशोर समूह को तीन साल तक बनाए रखें और जब हमारे क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में किशोर समूह हैं तो हम कैसे प्रत्येक किशोर समूह में कोई न कोई सेवा परियोजना करें ताकि किशोर कार्यक्रम का प्रभाव हमारे समुदाय समूहों पर पड़े और सामाजिक क्रिया के प्रारम्भिक स्पंदन नजर आयें।

अभी तक गिनतियों में ही कुछ ऐसे किशोर समूह हैं जिनमें सेवा परियोजना हो पाती है, अब हम सभी मिलकर ये प्रयास कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा समूहों में सेवा परियोजना हो और किशोर पुस्तक–दर–पुस्तक आगे बढ़ें।

फिर ये देखा गया है ऐसे कितने किशोर समूह हैं जो सप्ताह में 6 दिन चलते हैं और 1 दिन बंद रहते हैं। ऐसे किशोर समूहों के लिए हमें अनुप्रेरकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता होगी। एक किशोर दल को बनाए रखने के लिए एक अनुप्रेरक की बहुत बड़ी भूमिका होती है। कभी–कभी अनुप्रेरक सेवा के दौरान अपनी स्वयं की पढ़ाई के लिए चिंतित होते हैं ऐसे समय में कैसे एक संयोजक उसकी सहायता कर सकता है।

इन सभी के साथ कई अन्य विषयों में परामर्श होने के बाद सभी मित्रों ने इन विषयों को ध्यान में रखकर योजना बनाई कि कैसे वह किशोर समूहों को और व्यवस्थित कर सकते हैं।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

मध्य प्रदेश में चल रही गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

भक्तिपरक सभाओं का आयोजन शुरू किया और इस प्रकार समुदाय में 26 घरों में प्रार्थना सभाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जाने लगा है।



युवा सम्मेलन के प्रतिभागी

इसके साथ ही, उन्होंने गांव के किशोरों के लिए एक किशोर कार्यक्रम की स्थापना की, जिसमें अभी 26 किशोर भाग ले रहे हैं। इस किशोर कार्यक्रम में अब कुछ



थुराटी गांव में अध्ययनवृत कक्षा में अध्ययन करने वाले मित्रगण

स्थानीय युवाओं का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है।

• ग्राम पंचायत देवनगर गांव थुराटी में पहली इकाई शिक्षण का आनंद भाग–7 का अध्ययन समाप्त किया गया।

समस्त मानवों का सृजन सदा विकसित हो रही सभ्यता को आगे ले जाने के लिए हुआ है पवित्र लेखों से उद्धरण को कंठस्थ किया। बहाउल्लाह के प्रकटीकरण की तुलना महासागर से की जा सकती है इस महासागर की एक ओस बूंद भी यदि समस्त आसमानों और धरती पर छिड़क दी जाए तो वह सर्वशक्तिशाली सर्वज्ञाता सर्व बुद्धिमान ईश्वर की कृपा से विभूषित होने के लिए पर्याप्त है।

सूचना

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने वर्ष 2012 से अपनी सेवाएँ देने वाले तमिलनाडु एवं पुद्दुचेरी के सहायक मण्डल सदस्य श्री कन्नन राजगोपाल को उनके द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकार करने के उपरान्त उन्हें सहायक मण्डल सदस्य के दायित्व से मुक्त कर दिया है।

कुल पृष्ठ संख्या–4
बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO Delhi on 10/11.11.2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)